01.06.18

तमील उभय पक्ष उप०। बहस उभय पक्ष सुनी गई। उभय पक्ष को प्रा०पत्र वापसी स्वीकार करने में कोई एतराज नहीं है। अतः प्रा०पत्र वापसी स्वीकार किया जाता है। प्रा०पत्र शिकायत को पुनः दर्ज करने के आदेश दिये जाते हैं। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।